**Need to restart production in textile mills under National Textiles Corporation closed during Covid period-Laid**

श्री अरविंद गणपत सावंत **(**मुम्बई दक्षिण**) :** एक समय था जब वस्त्रोद्योग मुंबई शहर की पहचान और शान थी । 58 मिलों में लाखों कामगार काम करते थे । इनमें से नेशनल टेक्सटाइल कारपोरेशन की पोदार, इंदु मिल नं. 5 और टाटा तीन मिलें हैं, जिनमें 16000 कामगार थे, आज तीनों मिलों में मिलकर सिर्फ 1600 कामगार हैं । कोविड के कारण लॉकडाउन में इन मिलों को बंद रखा गया । लेकिन लॉकडाउन के बाद भी इन मिलों में कपड़ा निर्माण का काम बंद रहा और अभी तो अक्तूबर, 2024 से उनकी तनख्वाह और अन्य सारी सुविधाएं बंद की गयी हैं । परिणामस्वरूप उनके परिवार आर्थिक संकट से घिर गये हैं । जहाँ-जहाँ भारत सरकार के उद्यम हैं और जहाँ-जहाँ गणवेश दिया जाता है उनके लिए जितना कपड़ा लगता है या ओव्हन कपड़ा जो सिर्फ एन.टी.सी. की टाटा मिल में उत्पादित किया जाता है उसे भी अगर इन मिलों से खरीदा जाये तो भी ये मिलें पुनर्जीवित हो सकती हैं । इसलिए सरकार से मांग है कि इन बंद पड़ी मिलों को जरुरत पड़े तो नई तकनीकें अपनाकर शुरू किया जाए जिससे कि ये मिलें हमेशा के लिए बंद होने से बच जाएंगी और लाखों लोग रोजगार पायेंगे ।